AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

# सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ स्थापना दिवस समारोह का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 104वें स्थापना दिवस समारोह के मद्देनजर मंगलवार से साप्ताहिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक राय ने किया।

कुलपति ने कहा कि बीते वर्षों में विवि ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफर तय किया है जो इसकी ऐतिहासिकता को समृद्ध बनाता है। कार्यक्रम में विवि के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य और नाटक जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

**25 नवंबर को मनाया जाएगा लविवि का 104वां स्थापना दिवस**

इस मौके पर डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा, प्रो. शीला मिश्रा, प्रो. अनूप सिंह, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव और प्रो. आंचल श्रीवास्तव आदि शिक्षक मौजूद रहे।

लखनऊ विवि में मंगलवार को स्थापना दिवस सप्ताह के शुभारंभ पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक राय ने किया। फोटो : लविवि

# लविवि : पुरानी व्यवस्था से ही भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

## समर्थ पोर्टल से संबंधित निर्देश वर्तमान सत्र के लिए स्थगित

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय वर्तमान सत्र में अब पूर्व व्यवस्था के अंतर्गत ही परीक्षा संबंधी समस्त कार्य करेगा। समर्थ पोर्टल के माध्यम से परीक्षा संबंधी कार्य कराए जाने के आदेश को फिलहाल रोक दिया गया है। ऐसे में उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक विवि में विषम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म भराए जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

**राज्यपाल सचिवालय से जारी हुआ पत्र**

उच्च शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से शासन ने लविवि सहित सभी शिक्षण संस्थानों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से शैक्षिक एवं परीक्षा संबंधी काम करने के निर्देश दिए थे। समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण के लिए कुल 41 मॉड्यूल निर्धारित किए गए थे, लेकिन विवि से संबद्ध कॉलेज इन्हें लागू करने में असमर्थ रहे।

ऐसे में वर्तमान सत्र में समर्थ पोर्टल के माध्यम से समय से परीक्षाएं कराना संभव नहीं हो पा रहा था। सत्र पिछड़ने और परीक्षाओं में देरी की आशंका से कुलपति भी चिंतित थे। इसलिए विवि के अनुरोध पर राज्यपाल ने वर्तमान सत्र में पूर्व व्यवस्था से ही परीक्षा संपादित करने की छूट दे दी है। अगले सत्र से अनिवार्य रूप से समर्थ पोर्टल के माध्यम से परीक्षाएं कराने के निर्देश दिए हैं।

### अब तक नहीं बनी 75 हजार विद्यार्थियों की समर्थ आईडी

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार सत्र पिछड़ने की आशंका बढ़ी

### समर्थ पोर्टल हुआ असमर्थ

लविवि : छात्रों के पंजीकरण में आ रही समस्या, त्रुटि सुधार कराने के लिए अंतिम तिथि भी घटाई

अमर उजाला में प्रकाशित खबरें।

### अमर उजाला ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण में महाविद्यालयों और विद्यार्थियों को बड़ी संख्या में समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इसके चलते संबद्ध जिलों के कॉलेजों के विद्यार्थी विवि के चक्कर काटने को मजबूर थे। पंजीकरण में समस्या के कारण विवि में परीक्षा शुरू होने में देरी भी हो रही थी। पिछली चार विवि में आठ नवंबर को परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। वहीं 12 दिसंबर से परीक्षाएं शुरू हो गई थी। जबकि समर्थ पोर्टल की वजह से इस वर्ष अब तक परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

### 75 हजार की नहीं बन पाई आईडी

समर्थ पोर्टल पर लविवि और संबद्ध कॉलेजों में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के 75 से अधिक विद्यार्थियों की आईडी अब तक नहीं बन पाई है। इसमें पंजीकृत विद्यार्थियों की कुल संख्या करीब 2.90 लाख है। जबकि पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों का आंकड़ा इसमें शामिल नहीं है।

### शिक्षा के लिए वरदान है एआई

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में संचालित भाऊराव देवरस शोधपीठ की ओर से मंगलवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और शिक्षा रहा। मुख्य वक्ता दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स प्रो. आरके सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ भविष्य नहीं है। यह वर्तमान है, जो अपार संभावनाओं के साथ शिक्षा को बदल रहा है। उन्होंने एआई को शिक्षा के लिए वरदान बताया। विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन ने कहा कि यहां शोध पीठ की स्थापना का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना को जाग्रत करना है। प्रो. अवधेश त्रिपाठी, डॉ. ऋषिकांत व विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

PIONEER PAGE 3

### लविवि के 104वें स्थापना सप्ताह का शुभारम्भ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 104वां स्थापना सप्ताह विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति, प्रोफेसर आलोक कुमार राय उपस्थित थे, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर सप्ताह भर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया। प्रोफेसर राय ने बधाई देते हुए आयोजकों पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय यात्रा और शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए इसकी निरंतर प्रतिबद्धता है। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर एकता, गौरव और शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने में ऐसे समारोहों के महत्व पर जोर दिया। छात्रों ने संगीत, नृत्य और नाटक में अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की जीवंत श्रृंखला प्रस्तुत की। ये प्रदर्शन विवि में पोषित समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता को दर्शाते हैं। विद्यार्थियों का प्रदर्शन सचमुच मनमोहक था। कार्यक्रम की एंकरिंग प्रतीक मिश्रा ने की, उसके बाद लड़कियों ने कुलगीत पेश किया, दोनों ने शो में समां बांध दिया। प्रस्तुतियों में शांभवी मिश्रा द्वारा प्रस्तुत जीवंत गणेश वंदना और वरुण त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत शक्तिशाली शिव तांडव शामिल थे। सर्वज्ञ तिवारी ने घर मेरा परदेसिया पर एकल नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर्षिता, वंशिका, सृष्टि, निहारिका, आकांक्षा, अंशिका, शाव्या और वैष्णवी ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सुंदर लोक नृत्य प्रस्तुत किया। मुद्रा मिश्रा ने अंग्रेजी एकल गीत, काजल गुप्ता ने रश्मिरथी कविता पाठ किया। एकल गायिका लक्ष्मी त्रिपाठी, मांडवी शुक्ला, शुभी राजपूत और कौमुदी की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिन्होंने अपनी आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

### भाऊराव देवरस शोध पीठ ने एआई पर किया मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक स्वयंसेवकों में रहे भाऊराव देवरस की 107 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेष वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर आरके सिंह ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ भविष्य नहीं है, वर्तमान है। ये अपार संभावनाओं के साथ शिक्षा को बदल रहा है। आज की गतिशील दुनिया में, उद्योग अब सिर्फ संज्ञानात्मक ज्ञान को प्राथमिकता नहीं देते हैं, वे व्यावहारिक कौशल की मांग करते हैं। भाऊराव देवरस शोध पीठ के निदेशक व वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राम मिलन ने भाऊराव देवरस के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. ऋषिकान्त ने किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

# कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षा के लिए वरदान : प्रो. आरके सिंह

## भाऊराव देवरस की 107वीं जयंती पर विशेष व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में संचालित भाऊराव देवरस शोधपीठ के तहत महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और कुशल शिक्षाविद् स्वर्गीय भाऊराव देवरस की 107वीं जयंती के उपलक्ष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं भाऊराव देवरस के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण के साथ हुई। व्याख्यान के लिए विशेष वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ प्रो.आरके सिंह मौजूद रहे। उन्होंने अपने मुख्य संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ भविष्य नहीं है यह वर्तमान है, जो

अपार संभावनाओं के साथ शिक्षा को बदल रहा है। हालांकि, इसके कार्यान्वयन को ज्ञान,समावेशिता और जिम्मेदारी से प्रेरित होना चाहिए। आज की गतिशील दुनिया में उद्योग अब सिर्फ संज्ञानात्मक ज्ञान को प्राथमिकता नहीं देते हैं वे व्यावहारिक कौशल की मांग करते हैं। एआई इस अंतर को पाटने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करता है, छात्रों को व्यावहारिक अनुभव से लैस करता है और वास्तविक दुनिया की जरूरतों को पूरा करने वाले कौशल विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि कैसे इंसान कृत्रिम बुद्धिमता को समझ कर उसका अपने कॉम्प्रिहेंसिव माइंड के द्वारा सावधानीपूर्वक इस्तेमाल एजुकेशन में नवाचार ला सकता हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमता को शिक्षा के लिए वरदान बतलाया और एआई की उपयोगिता को व्यवहारिक उदाहरणों से स्पष्ट किया। भाऊराव देवरस शोध पीठ के निदेशक एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.राम मिलन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद् भाऊराव देवरस की विभिन्न स्मृतियों और उनके समाज के प्रति अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उनको नमन एवं वंदन किया। कार्यक्रम का औपचारिक समापन वरिष्ठ प्रोफेसर व डीन सीडीसी अवधेश कुमार द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ हुआ। मंच संचालन डा.ऋषिकान्त ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय एवं विभाग के सभी सम्मानित शिक्षक, शोध छात्र-छात्राएं एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

HINDUSTAN PAGE 7

# शिव तांडव से एलयू का स्थापना समारोह शुरू

**आयोजन**

**104** वां स्थापनादिवस एलयू मनाएगा | **25** नवंबर को होगा खास आयोजन

- कुलपति ने किया स्थापना सप्ताह समारोह का आगाज
- पहले दिन प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 25 नवंबर को आयोजित होने वाले 104वें स्थापना दिवस के तहत स्थापना सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर एकता, गौरव और शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने में ऐसे समारोहों के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान छात्रों ने संगीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। शांभवी मिश्रा ने जीवंत गणेश वंदना, वरुण त्रिपाठी ने शक्तिशाली शिव तांडव, सर्वज्ञ तिवारी ने घर मेरा परदेसिया पर एकल नृत्य प्रस्तुत किया। हर्षिता, वंशिका, सृष्टि, निहारिका, आकांक्षा, अंशिका, शाव्या और वैष्णवी ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सुंदर लोक नृत्य प्रस्तुत किया। मुद्रा मिश्रा ने अंग्रेजी एकल गीत, काजल गुप्ता ने रश्मिरथी कविता पाठ किया। एकल गायिका लक्ष्मी त्रिपाठी, मांडवी शुक्ला, शुभी राजपूत और कौमुदी की आवाज ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के डिप्लोमा छात्रों ने फार्मासिस्ट इन सोसाइटी नामक नाटक प्रस्तुत किया। डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा समेत अन्य उपस्थित रहे।

एलयू में स्थापना सप्ताह समारोह का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

### कच्छ क्षेत्र के अवसाद अध्ययन में संभावनाएं

कार्यक्रम के तहत भूविज्ञान विभाग में हिमालय: एशिया का जलस्तंभ पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। प्रख्यात भूवैज्ञानिक और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रो. पीटर क्लिफ्ट ने प्राकृतिक और मानवजनित प्रक्रियाओं के बीच प्रतिस्पर्धा: एशियाई समुद्री सीमांतों में होलोसीन अवसाद प्रवाह को नियंत्रित करना पर अपना व्याख्यान दिया। बीएसआईपी निदेशक प्रो. महेश जी. ठक्कर ने कच्छ क्षेत्र में अवसादों को संरक्षित करने में अनुसंधान की कमी को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र पृथ्वी के पर्यावरणीय इतिहास के महत्वपूर्ण प्रमाण रखते हैं। यहां के अवसाद अध्ययन में शोधकर्ताओं के लिए महान संभावनाएं हैं।

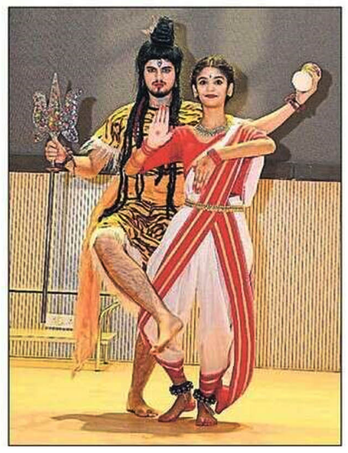

TOI PAGE 2

# Indo-Gangetic plains fertile mainly due to Himalayas, says expert

Anjanaya Singh | TNN

**Lucknow:** The fertile soils of the Indo-Gangetic Plain, one of the most agriculturally productive regions on earth, owe their abundance to the Himalayas and the continuous process of chemical weathering (breaking down of rocks).

This connection between the towering mountain range and the rich plains was highlighted by **Peter D. Clift** of University College, London during the 104th foundation day week celebrations at the department of geology in Lucknow University on Tuesday.

Clift explained that the Himalayas, as one of the youngest mountain ranges in the world, act as a perpetual source of sediments (naturally occurring material that is broken down by processes of weathering and erosion).

Rivers like the Ganga and the Indus erode and transport these sediments downstream, depositing them across the vast Indo-Gangetic Plain. Over time, this sedimentation process has enriched the soil, creating a fertile landscape that has sustained civilizations for thousands of years. "The process begins with chemical weathering in the Himalayas, driven by strong monsoon rains. Stronger monsoon rains increase chemical weathering," said Clift, adding, "They erode previously weathered soils, redistributing this nutrient-rich material."

This weathering not only breaks down rocks but also releases minerals and nutrients essential for plant growth, which are carried downstream and deposited across the plains.

The lecture emphasized the importance of understanding these geological processes, not only to appreciate the region's rich agricultural history but also to ensure its sustainability. Prof Dhruv Sen Singh, head of the department of geology, Lucknow University, elaborated on the significance of the Himalayas as a "geological powerhouse." Prof Mahesh G Thakkar, who is director of Birbal Sahni Institute of Palaeosciences, Lucknow, as well as director, of Wadia Institute of Himalayan Geology, Dehradun; dean research, Lucknow University, professor MM Verma and additional director general and HoD, Geological Survey of India, northern region, Rajinder Kumar also spoke on the occasion.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस सप्ताह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

नृत्य प्रस्तुत करते छात्र और छात्रा। अमृत विचार

# लविवि में छात्रों ने गाए गीत और किया नृत्य

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ कुलपति आलोक कुमार राय ने की विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह की शुरुआत

**अमृत विचार:** लखनऊ विश्वविद्यालय का 104वां स्थापना दिवस 25 नवंबर को मनाया जाएगा। मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने स्थापना सप्ताह की शुरुआत की। इस अवसर पर छात्रों ने संगीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुति दी।

शांभवी मिश्रा ने गणेश वंदना और वरुण त्रिपाठी ने शिव तांडव प्रस्तुत किया। सर्वज्ञ तिवारी ने घर मेरा परदेसिया पर एकल नृत्य कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर्षिता, वंशिका, सृष्टि, निहारिका, आकांक्षा, अंशिका, शाव्या और वैष्णवी ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए सुंदर लोक नृत्य प्रस्तुत किया। मुद्रा मिश्रा ने अंग्रेजी गीत और काजल गुप्ता ने रश्मिरथी कविता का पाठ किया। लक्ष्मी त्रिपाठी, मांडवी शुक्ला, शुभी राजपूत और कौमुदी ने भी कविता पढ़ी।

देवराज सिंह, रोशन कुमार, अभिषेक गुप्ता, अनुराग पाल, तुषार मद्धेशिया, विवेक जयसवाल, आकांशा सिंह, पीऊ विश्वास, आयुष मोहन, मोहक, सौम्या अग्रहरि, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह, दीपांशी श्रीवास्तव, मुस्कान सोमवंशी, हर्षिता त्रिपाठी, अमृता ठाकुर और आशीष रावत ने भी प्रस्तुति दी। संचालन प्रतीक मिश्रा ने किया।

### भूविज्ञान विभाग में व्याख्यान का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में मंगलवार को हिमालय एशिया का जलस्तंभ, महासागरों को भरने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के भूवैज्ञानिक प्रो पीटर क्लिफ्ट ने हिमालय को एशियाई समुद्री भाग में अवसादों को भरने का प्रमुख स्रोत बताया। उन्होंने प्राचीन जलवायु अध्ययन पर भी चर्चा करते हुए कहा कि अवसाद किस प्रकार जलवायु परिवर्तन में अपनी भूमिका करते हैं। भूविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने हिमालय को भूवैज्ञानिक ऊर्जा का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय न केवल समुद्र सीमांत में अवसादन को प्रभावित करता है बल्कि क्षेत्रीय जलवायु और जल प्रणाली को भी आकार देता है। बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. महेश ठक्कर और वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून ने कच्छ क्षेत्र में अवसादों को संरक्षित करने में अनुसंधान की कमी को उजागर किया। प्रो. एम.एम. वर्मा, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रजिंदर कुमार ने भी विचार रखे।

जानकारी देते वक्ता। अमृत विचार

### समाज कार्य विभाग ने मनाया महिला सशक्तिकरण उत्सव

**अमृत विचार, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में उर्दू विभाग व महिला अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में महिलाओं के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम किया गया।

विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने मिशन शक्ति के तीन स्तंभ: सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के बारे में बताया।

विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि इस वर्ष की थीम भारतीय वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के जन्म दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण का जश्न रखा गया है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमएसडब्ल्यू छात्र अभिष्ठ श्रीवास्तव द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के जीवन और विरासत पर दिया गया प्रेरक भाषण रहा। निर्णायक मंडल में गरिमा सिंह, संध्या यादव, संध्या, मधुशिखा और मौसमी शामिल थे।

# Students exhibit talent to mark LU foundation week

**Lucknow:** Lucknow University's 104th Foundation Week began with vibrant cultural performances by students, showcasing their diverse talents in music, dance and drama, on Tuesday.

"Events like the Foundation Week not only celebrate our rich legacy but also strengthen bonds of unity and pride within the universi-



ty community. They serve as a reminder of our unwavering commitment to academic excellence and innovation," said Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai

Shambhavi Mishra's energetic Ganesh Vandana and Varun Tripathi's powerful Shiv Tandav enthralled the audience. Sarvagya Tiwari mesmerized audience with solo dance peformance. The highlight of Day 1 was the performance by Harshita, Vanshika, Srishti, and others beautifully representing Jammu and Kashmir folk dance.

A standout performance was a drama titled 'Pharmacist in Society', presented by students of the Institute of Pharmaceutical Sciences. The grand finale featured a captivating Shiv Stotram dance by fourth-year students, leaving the audience spellbound.

LOKSATYA PAGE 2

# समाज कार्य विभाग ने मनाया महिला सशक्तिकरण का जश्न

**कार्यक्रम**

- लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में कार्यक्रम
- उर्दू विभाग एवं महिला अध्ययन संस्थान की ओर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में उर्दू विभाग एवं महिला अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत मनाया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना ने छात्र-छात्राओं का मनोबल को बढ़ाया। आपने छात्रों के मिशन शक्ति कार्यक्रम में भागीदारी की सराहना की। आपने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहायक

वातावरण बनाने में इस पहल के महत्व को रेखांकित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी, डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने मिशन शक्ति के तीन स्तंभ: सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर प्रकाश डालते हुए बताया यह अभियान महिलाओं के सुरक्षा एवं स्वावलंबन को बढ़ाने एवं उन्हें समाज में एक सम्मानित स्थान देने हेतु एक सराहनीय पहल है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई इस अद्भुत पहल तथा विश्वविद्यालय मे इसके पांचवें चरण की सफलता को चिन्हित करते हुए बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय सदैव मिशन शक्ति के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित करता रहा है तथा इस वर्ष की थीम भारतीय वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के जन्म दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण का जश्न रखा गया जिसके अंतर्गत समाज कार्य विभाग में कल लघु नाटिकाओं का आयोजन किया गया। लघु नाटकों में प्रतिभा करने वाले बच्चे समाज कार्य, शारीरिक शिक्षा एवं एनसीसी 64 यूपी बटालियन के थे। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटकों की श्रृंखला खास आकर्षण रही, जिनका विषय महिलाओं का सशक्तिकरण, उनके सामने आने वाली चुनौतियां और उनकी उपलब्धियां थीं। इन नाटकों में घरेलू हिंसा, लड़कियों की शिक्षा और महिला नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। एक और मुख्य आकर्षण एमएसडब्ल्यू छात्र अभिष्ठ श्रीवास्तव द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के जीवन और विरासत पर दिया गया प्रेरक भाषण रहा। निर्णायक मंडल में गरिमा सिंह, संध्या यादव, संध्या, मधुशिखा और मौसमी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल थे।

# उद्योग अब सिर्फ संज्ञानात्मक ज्ञान को प्राथमिकता नहीं देते हैं: प्रो. आरके सिंह

**व्याख्यान**

- लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग का हुआ कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से संचालित भाऊराव देवरस शोधपीठ के अंतर्गत मंगलवार को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, और कुशल शिक्षाविद् स्व. भाऊराव देवरस की 107 वी जयंती पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा विषय पर एक विशेष व्याख्यान हुआ।

व्याख्यान के लिए विषेश वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वरिष्ठ प्रो आरके सिंह मौजूद रहे। उन्होंने अपने मुख्य संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शिक्षा विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस सिर्फ भविष्य नहीं है। यह वर्तमान है, जो अपार संभावनाओं के साथ शिक्षा को बदल रहा है। हालाँकि, इसके कार्यान्वयन को ज्ञान, समावेशिता और जिम्मेदारी से प्रेरित होना चाहिए। आज की गतिशील दुनिया में, उद्योग अब सिर्फ संज्ञानात्मक ज्ञान को प्राथमिकता नहीं देते हैं, वे व्यावहारिक कौशल की मांग करते हैं। एआई इस अंतर को पाटने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करता है, छात्रों को व्यावहारिक अनुभव से लैस करता है और वास्तविक दुनिया की जरूरतों को पूरा करने वाले कौशल विकास को बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि कैसे इंसान कृत्रिम बुद्धिमता को समझ कर उसका अपने कॉम्प्रिहेंसिव माइंड से सावधानीपूर्वक इस्तेमाल एजुकेशन में नवाचार ला सकता हैं। अंत में उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमता को शिक्षा के लिए वरदान बतलाया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

# जम्मू कश्मीर के लोक नृत्य, शिव तांडव स्तोत्रम ने मोहा मन

- लखनऊ विश्वविद्यालय में 104वें स्थापना दिवस सप्ताह का आगाज

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में 25 नवंबर को आयोजित होने वाले 104वें स्थापना दिवस के तहत स्थापना सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर एकता, गौरव और शैक्षणिक भावना को बढ़ावा देने में ऐसे समारोहों के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान छात्रों ने संगीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। शांभवी मिश्रा ने जीवंत गणेश वंदना, वरुण त्रिपाठी ने शक्तिशाली शिव तांडव, सर्वज्ञ तिवारी ने घर मेरा परदेसिया पर एकल नृत्य प्रस्तुत किया। हर्षिता, वंशिका, सृष्टि, निहारिका, आकांक्षा, अंशिका, शाव्या और वैष्णवी ने जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सुंदर लोक नृत्य प्रस्तुत किया।

मुद्रा मिश्रा ने अंग्रेजी एकल गीत, काजल गुप्ता ने रश्मिरथी कविता पाठ किया। एकल गायिका लक्ष्मी त्रिपाठी, मांडवी शुक्ला, शुभी राजपूत और कौमुदी की आवाज ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के डिप्लोमा छात्रों ने फार्मासिस्ट इन सोसाइटी नामक एक शक्तिशाली नृत्य सौम्या अग्रहरि, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह, दीपांशी श्रीवास्तव, मुस्कान सोमवंशी, हर्षिता त्रिपाठी और अमृता ठाकुर ने प्रस्तुत किया। डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

**कच्छ क्षेत्र के अवसाद अध्ययन में संभावनाएं:** भूविज्ञान विभाग में हिमालय: एशिया का जलस्तंभ पर विशेष मोहक और आशीष रावत का नाम शामिल है। ग्रैंड फिनाले में शिव स्तोत्रम नामक एक शक्तिशाली नृत्य सौम्या अग्रहरि, साक्षी यादव, प्रज्ञा सिंह, दीपांशी श्रीवास्तव, मुस्कान सोमवंशी, हर्षिता त्रिपाठी और अमृता ठाकुर ने प्रस्तुत किया। डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

**कच्छ क्षेत्र के अवसाद अध्ययन में संभावनाएं:** भूविज्ञान विभाग में हिमालय: एशिया का जलस्तंभ पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। प्रख्यात भूवैज्ञानिक और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रो. पीटर क्लिफ्ट ने प्राकृतिक और मानवजनित प्रक्रियाओं के बीच प्रतिस्पर्धा: एशियाई समुद्री सीमांतों में होलोसीन अवसाद प्रवाह को नियंत्रित करना पर अपना व्याख्यान दिया। बीएसआईपी निदेशक प्रो. महेश जी. ठक्कर ने कच्छ क्षेत्र में अवसादों को संरक्षित करने में अनुसंधान की कमी को उजागर किया। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र पृथ्वी के पर्यावरणीय इतिहास के महत्वपूर्ण प्रमाण रखते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

# संगीत, नृत्य और नाटक में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

## लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना सप्ताह का शुभारंभ

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस सप्ताह का भव्य शुभारंभ एपी सेन हाल में किया गया। छात्र-छात्राओं ने संगीत, नृत्य और नाटक में अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रद